कैसे जुटाएँ सामग्री (How to collect the Material)

जब हम पर्यावरण अध्ययन में गतिविधि करने करवाने की बात करते हैं तो सर्वप्रथम प्रयोग का विचार आता है। प्रयोग के द्वारा बच्चों को स्व-अधिगम प्राप्त होता है। पर्यावरण अध्ययन की पाठ्य-पुस्तकों में कई मजेदार प्रयोग दिये जाते हैं तथा साथ में इन प्रयोगों को लेकर सवाल भी होते हैं। इन सवालों के जवाब तभी मिलेंगे जब आप स्वयं प्रयोग करके देखेंगे। प्रयोग करने के लिए आपको प्रयोग के लिए आपको सामग्री जुटानी होगी। यह सामग्री एकत्रित करें आइये देखते हैं।

कैसे

प्राथमिक कक्षाओं में प्रयोग करने के लिए सामग्री की उपलब्धता एक अहम् सवाल है। इसलिए इन प्रयोगों को करने के लिए सामग्री बच्चों को परिवेश से आसानी से मिल जाये। नीचे इस बात की चर्चा की गई है कि अपने आस-पास की दुनियाँ से प्रयोगों को कराने के लिए कैसे और क्या सामग्री एकत्र की जाए।

अगर हम पर्यावरण पाठ्यक्रम पर नजर डालें तो प्रयोग कराने के लिए कई सामग्री ऐसी होंगी जो अपने आस-पास आसानी से मिल जायेंगी। बस थोड़ा सा प्रयास करने की जरुरत होती है जैसे कि माचिस की डिबिया, तरह-तरह के बीज, आटा, नमक, खाने का सोडा, अलग-अलग तरह की डिबियाँ, कटोरी, इंजेक्शन की शीशी, रेत, पेंसिल, कागज तथा चूना आदि। दूसरी तरह की सामग्री वह है जो किसी दुकान से मिलेगी। उदाहरण – यूरिया, बीकर, फिटकरी आदि।

हमारे आस-पास से जुटाई जाने वाली सामग्री ⇒

हमारे आस-पास कई सामग्री ऐसी होती हैं जो प्रयोग करने में सहायक होती हैं। हम कहते हैं कि शिक्षा हमारे परिवेश से जुड़े तो इसका अर्थ है कि हम अपने आस-पास की दुनिया की चीजों का उपयोग सीखने में (शिक्षा में) करें। कक्षा व समुदाय का रिश्ता तभी बनता है जब कक्षा और समुदाय एक-दूसरे को प्रभावित करें।

ऐसा नहीं है कि हमारे आस-पास आर्थिक कमी है इसलिए हम अपने आस-पास की दुनियाँ से सामग्री एकत्र करें बल्कि इसलिए कि समुदाय और परिवेश को शिक्षा का अहम् हिस्सा बनाने के लिए हम उस सामग्री का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

Scanned with CamScanner

अधिकतर प्रयोग या गतिविधि तब व्यावहारिक बनते हैं जब स्थानीय उपलब्धता और उपयुक्तता के अनुसार उनको ढाला जाए। इस तरह से जब हम अपने आस-पास की सामग्री का इस्तेमाल करते हैं तो हम प्रयोग करने में आत्मनिर्भर होते चले जाते हैं।

स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होने वाली सामग्री ⇒

चॉक, मिट्टी, शक्कर, नमक, आटा, खाने का सोडा, पानी, हल्दी, अण्डा, कागज, लकड़ी या प्लास्टिक की स्केल, कंचे, मिटाने वाला रबड़, मोम, पत्थर, प्लास्टिक का मग, काँच का गिलास, कटोरी, चम्मच, गुब्बारे

ऊपर दी गई कुछ सामग्री ऐसी है जो प्रयोग के दौरान खत्म हो जायेगी परन्तु कुछ सामग्री ऐसी होंगी जो बाद के प्रयोग के लिए भी काम आ सकती हैं। कई सामग्री को विकल्प के रुप में प्रयोग किया जा सकता है। ऐसी सामग्री का अपने आस-पास जुगाड़ करना होगा। उदाहरण → यदि आपके पास परखनली हैं तो इसकी जगह इंजेक्शन की खाली शीशियों का जुगाड़ कर सकते हैं। इसी प्रकार बीकर व कोनिकल फ्लास्क व गिलास के स्थान पर प्लास्टिक की बोतल को काटकर उपयोग कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner